कांग्रेस नेताओं में उमड़ रहा है भाजपा के प्रति प्रेम!

दो दिन पहले रामलाल जाट ने आर.एस.एस.-भाजपा की तारीफ की थी, अब महेंद्र चौधरी ने सतीश पूनियां के कसीदे पढ़े

- इससे पहले एक कैबिनेट मंत्री और दो विधायकों ने मुख्यमंत्री को शिफारशी पत्र लिखकर भाजपा नेता को राजनीतिक नियुक्ति दिलवाई थी
- अपने नेताओं का भाजपा प्रेम देखकर कांग्रेसजन असमंजस में नजर आ रहे हैं

जयपुर, (का.प्र.)। एक ओर तो मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और राजस्थान कांग्रेस के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा लगातार पार्टी की सरकार को रिपीट करने की बात कर रहे हैं, तो दूसरी ओर अशोक गहलोत के नजदीकी नेताओं में भाजपा और आरएसएस की तारीफ के कसीदे पढ़ने की होड़ लगी हुई है।

दो दिन पहले ही राजस्व मंत्री रामलाल जाट ने जहां भाजपा और आरएसएस की तारीफ की थी। वही अब सरकारी उप मुख्य सचेतक महेंद्र चौधरी ने भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष और उप नेता प्रतिपक्ष सतीश पूनियां के सड़क पर किए गए संघर्ष की तारीफ में कसीदे पढ़े हैं। इससे पहले गहलोत कैबिनेट के एक मंत्री और दो विधायकों ने भी भाजपा नेता के पक्ष में शिफारशी पत्र देकर राजनीतिक नियुक्ति करवाई थी। ऐसे में अब खुद कांग्रेसजन असमंजस में हैं कि आखिरकार कांग्रेस नेताओं का भाजपा के प्रति इतना प्रेम अचानक क्यों उमड़ रहा है।

दो दिन पहले राजस्व मंत्री रामलाल जाट ने भाजपा और आर एस एस के अनुशासन की तारीफ करते हुए सचिन पायलट पर तंज कसा था और कहा था कि कांग्रेस में अनुशासन नहीं है। वही अब सरकारी उप मुख्य सचेतक महेंद्र चौधरी ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाकर उप नेता प्रतिपक्ष बनाए गए सतीश पूनियां के संघर्ष की तारीख करते हुए कहा है कि भाजपा ने सतीश पूनिया को प्रदेशाध्यक्ष पद से हटाकर किसान के बेटे का अपमान किया है। सतीश पूनिया को हटाकर भाजपा में प्रदेश अध्यक्ष बदलने पर सहानुभूति जताते हुए उन्होंने कहा कि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनियां ने पार्टी के लिए सड़क से लेकर विधानसभा तक संघर्ष किया है। सतीश पूनियां एक किसान के बेटे हैं, जिनको हटाकर भाजपा ने प्रदेश के किसानों का अपमान किया है। इससे भी आगे बढ़कर महेंद्र चौधरी ने कहा कि सतीश पूनियां ने कितनी यात्राएं की। ऊंट गाड़ियों में यात्रा की, कितने संघर्ष किए। संघर्ष के दौरान कितनी बार हाथ पैर में चोटें लगी। संघर्ष में कितने चश्मे टूट गए। उन पर कोई आरोप नहीं था, इसके बावजूद उन्हें प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाकर उपनेता प्रतिपक्ष बना दिया गया।

दरअसल कांग्रेस नेताओं को जिला प्रभारी के तौर पर राहुल गांधी की सदस्यता छीने जाने के खिलाफ मीडिया से बात करनी थी लेकिन राहुल गांधी के लिए तो महेंद्र चौधरी कम बोले और सतीश पूनिया के प्रति सहानुभूति जताते हुए उनकी तारीफ ज्यादा करते रहे।

महेंद्र चौधरी ने राहुल गांधी की संसद सदस्यता जाने के मामले में सिरोही में मीडिया से बातचीत में कहा कि भाजपा देश में लोकतंत्र की हत्या कर रही है। कांग्रेस इसके खिलाफ एकजुट होकर लड़ेगी। महेंद्र चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राहुल गांधी की लोकप्रियता से घबरा गए हैं। इस घबराहट में यह आत्मघाती फैसला लिया है।

गुरुशरण छाबड़ा को शहीद का दर्जा देने की मांग

जयपुर, (का.सं.)। जस्टिस फॉर छाबड़ा संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष पूनम अंकुर छाबड़ा ने सोमवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मुलाकात की।

उन्होंने राजस्थान में ''स्वर्गीय गुरुशरण छाबड़ा जन जागरूकता अभियान'' को पुन: शुरू करने और स्वर्गीय गुरुशरण छाबड़ा को शहीद का दर्जा देने की मांग उठाई।

पूनम अंकुर छाबड़ा ने कहा कि सूरतगढ़ के पूर्व विधायक स्व. गुरुशरण छाबड़ा ने राजस्थान में संपूर्ण शराबबंदी और सशक्त लोकायुक्त के लिए अनशन करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी थी। राज्य सरकार उनके इस महान बलिदान को व्यर्थ नहीं जाने दे। इसलिए राजस्थान में नशा मुक्त समाज बनाने के लिए संपूर्ण शराबबंदी लागू हो।

पूनम छाबड़ा ने इसके अलावा सूरतगढ़ को जिला बनाने की मांग भी मुख्यमंत्री के समक्ष रखी, सूरतगढ़ की जनता द्वारा किये जा रहे इस आंदोलन को वार्ता कर सुलझाने का आग्रह किया।

पूनम छाबड़ा की तमाम मांगों को सुनने के बाद गहलोत ने उनके सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद देकर सकारात्मक आश्वासन दिया।

राज्यपाल ने प्रतिभाओं को ''राजस्थान गौरव'' सम्मान से किया अलंकृत

राज्यपाल ने सोमवार को वरिष्ठ आई.ए.एस. अधिकारी अजिताभ शर्मा को ''राजस्थान गौरव सम्मान'' से सम्मानित किया। इस मौके पर संस्कृति युवा संस्था के सुरेश मिश्रा भी मौजूद थे।

- प्रतिभाएं राष्ट्र और समाज की धरोहर : राज्यपाल

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि प्रतिभाएं किसी एक समाज की नहीं बल्कि संपूर्ण राष्ट्र और समाज की धरोहर होती हैं। उन्होंने कहा कि अच्छे कार्यों का सम्मान यदि होता है तो इससे पूरे समाज में एक सकारात्मक वातावरण बनता है।

राज्यपाल मिश्र सोमवार को संस्कृति युवा संस्था द्वारा एक निजी होटल में आयोजित राजस्थान गौरव सम्मान समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने राजस्थान गौरव से अलंकृत विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाओं का अभिनंदन करते हुए सम्मानित प्रतिभाओं को भविष्य में इसी तरह समाज और राष्ट्र के लिए कार्य करते हुए अपना सर्वोत्कृष्ट देने का आव्हान किया।

मिश्र ने संस्कृति संस्था द्वारा पिछले 28 वर्षों से राजस्थान गौरव सम्मान, विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप, जयपुर मैराथन आदि आयोजनों के लिए संस्था की सराहना की। उन्होंने कहा कि जीवन पथ पर वही व्यक्ति निरंतर आगे बढ़ते हैं जो अपने लिए ही नहीं बल्कि दूसरों के हित को ध्यान में रखते हुए कार्य करते हैं। उन्होंने 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की और व्यष्टि नहीं समष्टि भाव की सर्व कल्याण की सोच से सभी को कार्य करने का आव्हान किया। राज्यपाल ने नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों से जोड़ने के लिए भी अधिकाधिक कार्य करने की आवश्यकता जताई। इससे पहले राज्यपाल मिश्र ने भारतीय सेना में कारगिल युद्ध के नायक रहे रिटायर्ड कर्नल वी.एस. बालोठिया, सीनियर आईएएस अजिताभ शर्मा, भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी डॉ. राजीव पचार, भारतीय इंजिनियरिंग सेवा के आशु सिंह राठौड़, भारतीय राजस्व सेवा के नितिन कुमार जैमन, सवाई मानसिंह अस्पताल के अधीक्षक अचल शर्मा, दुबई के यंग एंटरप्रेन्योर अंकित जैन, शिव विलास रिसोर्ट के चैयरमेन स्व. बृजमोहन शर्मा, इंटरनेशनल वुडबॉल प्लेयर अजय सिंह, मांड गायिका बेगम बतूल, आईटी प्रोफेशनल सुदीप, व्यवसाय के क्षेत्र में प्रताप सिंह, रविन्द्र प्रताप सिंह, फुटबाल खिलाड़ी अजय सिंह मीणा आदि प्रतिभाओं को ''राजस्थान गौरव'' सम्मान से सम्मानित किया।

आरंभ में संस्कृति युवा संस्था के सुरेश मिश्रा ने संस्था द्वारा किए जा रहे विभिन्न कार्यों, सार्वजनिक सरोकारों से जुड़े आयोजनों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर एच.सी. गणेशिया, दिनेश शर्मा, गौरव धामाणी ने भी विचार रखे। राज्यपाल मिश्र ने पूर्व में संविधान की उद्देशिका और मूल कर्तव्यों का वाचन करवाया।

वोटों की राजनीति के कारण एक वर्ग का तुष्टिकरण कर रही है सरकार : अरूण चतुर्वेदी

- 'बम ब्लास्ट में 71 लोगों की जान गई, राजस्थान सरकार की तरफ से हाईकोर्ट में प्रभावी पैरवी के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता की नियुक्ति क्यों नहीं की गई'
- 'कांग्रेस पार्टी ने विधायकों की सदस्यता बचाने के लिए सीनियर वकील खड़े किए'

जयपुर। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी ने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि जयपुर में हुए बम ब्लास्ट से जयपुर शहर दहल गया था, 71 लोगों की जान गई, 185 घायल हुए व कई जिंदगी भर के लिए अपंग हो गए, घायल हुए लोगों के लिए खून देने के लिए ब्लड बैंक के बाहर लोगों की कतार लग गई थी और जनता और पीड़ित परिवारों को भी आशा थी, गुनहगारों को फांसी की सजा मिलेगी। निचली अदालत ने तथ्यों के आधार पर व प्रभावी पैरवी से आरोपियों को सजा दी गई, लेकिन इसके विपरीत कांग्रेस सरकार ने हाईकोट में बम ब्लास्ट मामले में प्रभावी पैरवी नहीं की, इसका जिम्मेदार कौन है। यह प्रश्न जयपुर की जनता मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से पूछती है।

उन्होंने कहा कि ऐसा क्या कारण रहा, राजस्थान की सरकार छोटे-छोटे मामले में एडवोकेट जनरल व सुप्रीम कोर्ट के बड़े-बड़े वकीलों को लाखों रुपए एक-एक दिन की पैरवी करने के लिए देती है। इस मामले में 48 पेशी में केवल सरकार की ओर से जूनियर सरकारी अधिवक्ता उपस्थित हुआ, अतिरिक्त महाधिवक्ता व सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता से पैरवी नहीं करवाई, एक हाईकोर्ट में सरकार की ओर से लचर पैरवी के कारण से आंतकवादी जिन्होंने जयपुर शहर को खून से छलनी करने का काम किया था, देश और प्रदेश की जनता जानना चाहती हैं।

चतुर्वेदी ने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय रकबर माबलिंचिग के मामले में अलवर कोर्ट में ट्राईल के दौरान आपराधिक मामले के वरिष्ठ अधिवक्ता नासिर अली को हर तारीख पेशी पर सरकार की ओर से पक्ष रखने के लिए भेजा गया, जयपुर शहर में जब 71 लोग बम ब्लास्ट में मारे जाते हैं तब राजस्थान सरकार की तरफ से हाईकोर्ट में प्रभावी पैरवी के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता की नियुक्ति क्यों नहीं की गई। बम धमाके के समय राजस्थान में भाजपा की सरकार थी जो इस केस को स्पेशल कोर्ट में ले जाकर गुनहगारों को फांसी की सजा तक लेकर गई, लेकिन जैसे ही राजस्थान में कांग्रेस सरकार आई, तुष्टिकरण की राजनीति करते हुए परिणाम जनता के सामने हैं। विधायक इस्तीफा प्रकरण में नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने याचिका दायर की तब कांग्रेस पार्टी ने विधायकों की सदस्यता बचाने के लिए सीनियर वकील खड़े कर दिए, इस प्रकरण में जब राजेन्द्र राठौड़ ने सुनवाई की मांग की, तब वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने इसके विरोध में जमकर पैरवी की और लगातार हर सुनवाई में स्वयं मौजूद रहे। बसपा विधायकों के असंवैधानिक रूप से कांग्रेस में विलय किये जाने के मामले में जब भाजपा विधायक मदन दिलावर ने न्यायालय में चुनौती दी, तब सरकार ने लाखों रूपए खर्च कर महंगे और नामी वकील बसपा विधायकों के लिए खड़े किये। जयपुर बम ब्लास्ट मामले में सरकार ने लापरवाई की पराकाष्ठा की, सरकार की ओर से एडवोकेट जनरल या कोई भी वरिष्ठ अधिवक्ता जयपुर बम ब्लास्ट की सुनावाईयों में शामिल नहीं हुआ।

लक्ष्य अंत्योदय
जन-जन का कल्याण

G20 भारत 2023 INDIA | आज़ादी का अमृत महोत्सव | सत्यमेव जयते भारत सरकार

वित्तीय समावेशन

राजस्थान में **3 करोड़** से अधिक लाभार्थियों के प्रधानमंत्री जनधन बैंक खातों में जमा हुई **₹15 हज़ार करोड़** से अधिक की राशि।

चिकित्सकीय समावेशन

आयुष्मान स्वास्थ्य कार्ड के साथ **₹5 लाख** प्रति परिवार तक का मुफ्त उपचार। स्वस्थ और खुशहाल राजस्थान बनाने के लिए **99 लाख** से अधिक कार्ड किए गए जारी।

रोशन राजस्थान

सौभाग्य योजना के तहत करीब **2.13 करोड़** कनेक्शन, राजस्थान में हर घर पहुंची बिजली।

कोरोनाकाल में मिला खाद्यान्न

कोविड-19 महामारी के दौरान राजस्थान में **4 करोड़** से अधिक गरीबों को **प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना** के अंतर्गत मिला **निःशुल्क राशन**।

सामाजिक समावेशन

सबके लिए घर, सबके लिए स्वच्छ जल, सबके लिए बिजली, सबके लिए शौचालय - भारत सरकार की लगभग सभी योजनाओं में पूर्णता की ओर बढ़ रहे हैं कदम।

"आज देश की नीति है, हर गरीब की सेवा, हर वंचित को प्राथमिकता। जब गरीब-शोषित-वंचित-दलित-आदिवासी की चिंता करने वाली सरकार होती है, तो वो परिश्रम भी करती है, परिणाम भी लाकर दिखाती है।"

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

cbc 22201/13/0001/2324